आईआईटी, रोपड़ के सहयोग से आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित 'उद्यमिता विकास की आवश्यकता' पर तीन दिवसीय सम्मेलन पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक : 2 जनवरी 2024, मंगलवार	समय : 11.00 AM	स्थान : आई.आई.टी. गुवाहाटी

- असम के माननीय मंत्री श्री जयंत मल्ल बरुवा जी,
- विद्या भारती, असम के अध्यक्ष डॉ. दिव्यज्योति महंत जी,
- ईआरडीसी के चेयरमैन एवं आईआईटी, रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा जी,
- आईआईटी, गुवाहाटी के डीन प्रो. परमेश्वर के. अय्यर जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण,
- आई.आई.टी., गुवाहाटी और आई.आई.टी., रोपड़ के सम्मानित अधिकारीगण
- सम्मेलन में भाग ले रहे विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधिगण
- अकादमिक पेशेवरों, उद्यमियों, नीति निर्माताओं,
- उद्यमिता से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारिगण
- उपस्थित देवियों और सज्जनों,

नमस्कार!

सर्वप्रथम आप सभी को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं।

आई.आई.टी. गुवाहाटी, आई.आई.टी. रोपड़ और उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास केंद्र (ERDC) की पहल पर उद्यमिता और ग्रामीण विकास सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में आप सभी के बीच उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है।

इस सम्मेलन के पहले दिन यानि आज परिचर्चा का विषय "विद्यालय स्तर पर उद्यमिता विकास की आवश्यकता" है, जिसमें विद्यालयों के प्रिंसिपल भाग ले रहे हैं। दूसरे दिन ग्रामीण विकास के अभिनव परियोजनाओं पर चर्चा होगी, जिसमें ग्राम पचायत के प्रधान भाग लेंगे। तीसरे दिन का विषय "कॉलेज स्तर पर उद्यमिता विकास की आवश्यकता" है, जिसमें महाविद्यालयों के निदेशक भाग ले रहे हैं।

मित्रों,

देश के वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। यह हर साल चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। जब हर साल 4 करोड़ से अधिक छात्र अपनी शिक्षा पूरी कर रहे होते हैं तो हर साल 4 करोड़ रोजगार के अवसरों की आवश्यकता होती है, लेकिन इसकी तुलना में 40 लाख से भी कम रोजगार के अवसर होते हैं।

खासकर कोविड 19 के बाद पिछली नौकरियों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। लेकिन देश की टिकाऊ अर्थव्यवस्था के लिए अधिक रोजगार के अवसरों की सख्त आवश्यकता है जिसे केवल नए उद्यम स्थापित करके ही प्राप्त किया जा सकता है।

उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) देश के आर्थिक विकास और जीवन स्तर में प्रभावशाली भूमिका निभाती है। उद्यमिता विकास व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उनकी सामाजिक स्वीकृति में सुधार करने का एक शक्तिशाली उपकरण है। युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इसे आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाना चाहिए। उद्यमिता के विस्तार के लिए खासकर हमारे स्कूलों और यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को और अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है।

मुझे खुशी है कि इस प्रकार के कार्यक्रम के जरिए हमारे असम की नई पीढ़ी को निश्चय ही प्रेरणा मिलेगी और वे उद्यमी बनकर स्वयं को आगे बढ़ाने के साथ साथ दूसरों को भी रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए हमें अपनी पुरानी धारणाओं को बदलना होगा।

आज के संदर्भ में केवल उद्यमिता ही एक ऐसा विकल्प है, जो अपने समाज, अपने देश के साथ-साथ खुद को उन्नति के शिखर तक पहुँचा सकता है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया एंटरप्रेन्योरशिप की ओर आगे बढ़ रही है।

कुछ लोगों की ऐसी धारणा भी है कि उद्यमिता केवल असाधारण बुद्धिमान और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए है। इस मिथक को दूर करने की आवश्यकता है। इसके लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

आज का यह कार्यक्रम अत्यंत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कार्यक्रम मूलत: शिक्षण संस्थानों के तथा पंचायती राज संस्था के प्रमुखों के लिए किया गया है।

मेरा भी मानना है कि उद्यमिता की शिक्षा हमारी शिक्षण संस्थानों से ही शुरू होनी चाहिए। इन संस्थानों में उद्यमिता विकास की शुरुआत करके ही हम देश को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं।

इसलिए, सभी शिक्षण संस्थाओं में योजनाबद्ध और संगठित तरीके से उद्यमिता विकास मॉडल पेश करने की आवश्यकता है, जहां वे स्टार्टअप इको-सिस्टम के अन्य हितधारकों के साथ जुड़ सकें।

आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देश की मांग को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देना आवश्यक है। इस दृष्टि से पंचायती राज के स्तर के प्रतिभागियों को सम्मिलित कर एक प्रशंसनीय कार्य किया है।

मेरा विश्वास है कि यहां इस कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ और सरकार के समर्थन के साथ स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न संस्थानों के सहयोग से उद्यमियों के वांछित व्यक्तित्व के निर्माण पर व्यापक चर्चा होगी और एक रोड मैप भी तैयार किया जाएगा।

मित्रों,

देश के हमारे छात्र सतत विकास और जिम्मेदार व्यावसायिक पपरंपराओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हम कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय प्रबंधन और समावेशी विकास की हिमायत कर सकते हैं। यह न केवल भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाता है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए दीर्घकालिक, सतत विकास भी सुनिश्चित करता है।

नई शिक्षा नीति 2020 में कौशल एवं व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। ऐसा प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक छात्र कम से कम एक व्यवसाय से जुड़े और कौशल को सीखें। इस नीति के सफल क्रियान्वयन होने से ऐसी नई पीढ़ी तैयार होगी, जो किताबी शिक्षा और कौशल, दोनों में निपुण होंगे। वे रोजगार ढूंढ़ने वाली पीढ़ी नहीं होगी, बल्कि रोजगार देने वाली पीढ़ी होगी।

नीति निर्माताओं के साथ जुड़कर और अपनी विशेषज्ञता की पेशकश करके, हम व्यवसायों को फलने-फूलने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं, जो बदले में रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, जीवन स्तर को बढ़ाएगा और वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को आगे बढ़ाएगा।

हमारे छात्रों को एक वैश्विक मानसिकता को अपनाना चाहिए। तेजी से आपस में जुड़ी हुई दुनिया में, हमें वैश्विक उत्कृष्टता, तकनीकी प्रगति और उभरते रुझानों के साथ अद्यतन रहने की आवश्यकता है। हमें सक्रिय रूप से विभिन्न देशों के पेशेवरों के साथ सहयोग करने, विविध संस्कृतियों को समझने और अंतर्राष्ट्रीय अनुभवों से सीखने के अवसरों की तलाश करनी चाहिए। ऐसा करके, हम वैश्विक स्तर पर भारत के विकास में योगदान कर सकते हैं।

हम सभी को एकजुट होकर संकल्प लेना होगा कि हम अपनी क्षमताओं को खोजेंगे, नये अवसरों का सामर्थ्य प्राप्त करेंगे और भारत को वर्ष 2047 तक विश्व गुरु के रूप में स्थापित कर सकें।

मुझे खुशी है कि आईआईटी, रोपड़ देश में तकनीकी शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगादन दे रहा है। संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करने, शिक्षा में नवीनतम विकास और ज्ञान के विस्तार के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

1994 में स्थापित आईआईटी, गुवाहाटी भी छात्रों को शैक्षिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। संस्थान इस हेतु नवाचार, नेतृत्व कौशल और सामाजिक जागरूकता पर जोर देती है। इसके लिए मैं दोनों संस्थानों का आभार व्यक्त करता हूं।

मैं इस अवसर पर उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र (ईआरडीसी) की भी प्रशंसा करना चाहूंगा, जो स्टार्ट-अप एवं उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

यह शिक्षा जगत, वित्तीय संस्थानों, उद्योगों और क्षेत्र के अन्य संस्थानों के बीच एक नेटवर्क स्थापित करके स्टार्ट-अप और उद्यमियों को सहायता प्रदान करके एक जीवंत स्टार्ट-अप इको-सिस्टम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मैं एक बार फिर आई.आई.टी, रोपड़, आई.आई.टी, गुवाहाटी और ईआरडीसी को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं और इस एक दिवसीय सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

पुनः आप सभी को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि नववर्ष में आप नई सफलताएं प्राप्त करें और देश विकास के पथ पर और आगे बढ़े।

धन्यवाद।

जय हिन्द।